स्वामी विवेकानंद

सन्दर्भ:

- हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने चेन्नई में श्री रामकृष्ण मठ की 125वीं वर्षगांठ पर स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वामी विवेकानंद के बारे में:

- महान व्यक्तित्व वाले भारतीय स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को नरेंद्र नाथ दत्त के रूप में हुआ।
- वह श्री रामकृष्ण परमहंस के प्रमुख शिष्यों में से एक थे।
- उन्होंने पूरी दुनिया को वेदांत और योग के भारतीय दर्शन से परिचित कराया जिसे अंतर-विश्वास बढ़ाने वाली जागरूकता का श्रेय दिया जाता है, तथा यह 19वीं शताब्दी के अंत से हिंदू धर्म को विश्व स्तर पर ला रहा है।
- उन्होंने 'नव-वेदांत' का प्रचार किया, जो पश्चिमी दृष्टिकोण से हिंदू धर्म की व्याख्या है और भौतिक प्रगति के साथ आध्यात्मिकता के संयोजन में विश्वास करते थे।
- 1897 में उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की जिसका नाम उनके गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस के नाम पर रखा गया। इस विशेष संस्थान ने व्यापक शैक्षिक और साथ ही भारत में परोपकारी कार्य किए।
- उन्होंने 1893 में अमेरिका के शिकागो में आयोजित पहली धर्म संसद में भारत देश का प्रतिनिधित्व भी किया।
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने विवेकानंद को "आधुनिक भारत का निर्माता" कहा था।
- 1893 में, उन्होंने खेतड़ी राज्य के महाराजा

रामकृष्ण परमहंस:

- रामकृष्ण परमहंस कलकत्ता के पास दक्षिणेश्वर के एक मंदिर में पुजारी थे।
- अन्य धर्मों के संपर्क में आने के बाद, उन्होंने सभी धर्मों की पवित्रता को स्वीकार किया।
- केशब चंद्र सेन और दयानंद सहित उनके समय के लगभग सभी धर्म सुधारकों ने धार्मिक चर्चा और मार्गदर्शन के लिए उनसे मुलाकात की।
- समकालीन भारतीय बुद्धिजीवियों (जिनका अपनी संस्कृतियों में विश्वास पश्चिम की चुनौती से कम हो गया था) को उनकी शिक्षाओं से आश्वासन मिला।
- रामकृष्ण की शिक्षाओं का प्रचार करने और उन्हें अमल में लाने के लिए रामकृष्ण मिशन की स्थापना 1897 में उनके प्रिय शिष्य विवेकानंद ने की थी।

रामकृष्ण मिशन का योगदान:

- इस मिशन ने गरीबों की मदद करने, महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने, अस्पृश्यता और अंधविश्वास के खिलाफ लड़ाई और शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन करने का काम किया।
- इसने हिंदू धर्म और संस्कृति की सर्वोच्चता पर बल दिया।
- यह सभी धर्मों की एकता और समानता में विश्वास करता था।
- आर्थिक दृष्टि से यह कृषि आधारित लघु उद्योगों के

अजीत सिंह द्वारा ऐसा करने का अनुरोध करने के बाद 'विवेकानंद' नाम लिया, जो 'सच्चिदानंद' से बदलते थे, जिसे वे पहले इस्तेमाल करते थे।
- 'राज योग', 'ज्ञान योग', 'कर्म योग' नामक उन्होंने कुछ पुस्तकें लिखी।

पक्ष में था।
- इसने भारतीय राष्ट्रवाद और देशवासियों की जागृति में योगदान दिया
- इससे सामान्य आध्यात्मिक विचारों पर आधारित नैतिक और शारीरिक शक्ति और एकता का विकास हुआ।
- इसने भारतीय युवाओं को जागरुक किया और जनता के बीच भूख और अज्ञानता को मिटाने के लिए काम किया।

प्रोजेक्ट – 75I

सन्दर्भ:

- जर्मनी संयुक्त रूप से छह पारंपरिक पनडुब्बियों का निर्माण करने के लिए भारत को (एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन) AIP सिस्टम पर आधारित HDW क्लास डॉल्फिन पनडुब्बी की पेशकश कर रहा है।

प्रोजेक्ट - 75I के बारे में:

- प्रोजेक्ट 75I भारतीय नौसेना द्वारा विदेशी विक्रेताओं के सहयोग से छह नई पारंपरिक पनडुब्बियों के डिजाइन और निर्माण के लिए शुरू किया गया एक कार्यक्रम है।
- इस प्रोजेक्ट के नाम में "I" का अर्थ "इंडिया" है, जबकि "75" मीटर में पनडुब्बियों की अनुमानित लंबाई को दर्शाता है। प्रोजेक्ट 75I का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय नौसेना की पानी के भीतर युद्धक क्षमताओं को बढ़ाना और हिंद महासागर क्षेत्र में एक मजबूत समुद्री उपस्थिति बनाए रखना है।
- इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य उन्नत तकनीक हासिल करना और अत्याधुनिक पनडुब्बियों का निर्माण करना है जो प्रभावी रूप से कई प्रकार के कार्यों को अंजाम दे सकती हैं, जैसे कि सतह-विरोधी युद्ध, पनडुब्बी-रोधी युद्ध और खुफिया जानकारी

एचडीडब्ल्यू क्लास डॉल्फिन सबमरीन:

- HDW श्रेणी की डॉल्फिन पनडुब्बी, जर्मनी में Howaldtswerke-Deutsche Werft (HDW) द्वारा निर्मित डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों का एक वर्ग है।
- डॉल्फिन वर्ग की पनडुब्बियों को दुनिया की सबसे उन्नत पारंपरिक पनडुब्बियों में से एक माना जाता है जो मुख्य रूप से खुफिया जानकारी एकत्र करने, विशेष संचालन और निवारण मिशन के लिए उपयोग की जाती है।
- ये उन्नत सेंसर और हथियार प्रणालियों से लैस हैं, जिनमें टॉरपीडो, माइन और परमाणु-सक्षम क्रूज मिसाइल शामिल हैं।
- वे एक वायु-स्वतंत्र प्रणोदन प्रणाली से भी लैस हैं जो उन्हें अपनी बैटरी को रिचार्ज करने के लिए सतह पर आए बिना लंबे समय तक पानी में डूबे

एकत्र करना।

- प्रोजेक्ट 75I के तहत पनडुब्बियां एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) सिस्टम से लैस होंगी, जो उन्हें लंबे समय तक पानी में रहने में सक्षम बनाएगी, जिससे उनका पता लगाना कठिन हो जाएगा।
- इन पनडुब्बियों के निर्माण से भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमताओं को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि पनडुब्बियों के लिए आवश्यक अधिकांश प्रणालियां और उपकरण भारत में बनाए जाएंगे।

रहने की क्षमता देता है।

संक्षिप्त सुर्खियां

बेलफास्ट/गुड फ्राइडे समझौता

सन्दर्भ:

- हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुड फ्राइडे समझौते की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर 11 अप्रैल को उत्तरी आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट का दौरा किया।

पृष्ठभूमि :

- उत्तरी आयरलैंड 1921 में शेष आयरलैंड के एक स्वतंत्र राज्य बनने पर ब्रिटेन का हिस्सा बना रहा।
- इसने संघवादियों (जो उत्तरी आयरलैंड को यूके के भीतर देखना चाहते हैं) और राष्ट्रवादियों (जो इसे आयरलैंड गणराज्य का हिस्सा बनाना चाहते हैं) के बीच जनसंख्या में विभाजन उत्पन्न कर दिया।
- गुड फ्राइडे समझौते पर उत्तरी आयरलैंड के गुटों और ब्रिटेन और आयरलैंड की सरकारों के बीच 10 अप्रैल, 1998 को हस्ताक्षर किए गए थे।
- इसका उद्देश्य उत्तरी आयरलैंड में उन लोगों के बीच दशकों से चली आ रही हिंसा को समाप्त करना था जो यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ रहना चाहते थे और जो आयरलैंड में शामिल होना चाहते थे।
- गुड फ्राइडे समझौता इन समुदायों के बीच सहयोग के विचार पर आधारित है।
- इसने उत्तरी आयरलैंड के लिए राष्ट्रवादियों और संघवादियों दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक नई सरकार की स्थापना की।
- वेस्टमिंस्टर सरकार (एक प्रक्रिया जिसे हस्तांतरण के रूप में जाना जाता है) ने इस

	सरकार को स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर नियंत्रण दिया।
संयुक्त राष्ट्र लोकतंत्र कोष (UNDEF) 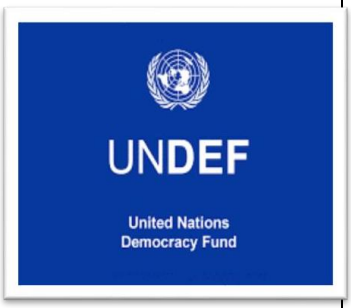	**सन्दर्भ:** • हाल ही में भारत ने कहा कि उसे संयुक्त राष्ट्र लोकतंत्र कोष (यूएनडीईएफ) द्वारा जॉर्ज सोरोस द्वारा वित्तपोषित एनजीओ को अनुदान देने पर कोई आपत्ति नहीं है, जबकि उन्हें भारत में निगरानी सूची में रखा जाना एक विरोधाभास को रेखांकित करता है। **मुख्य विशेषताएं:** • लोकतंत्रीकरण के प्रयासों में वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने के लिए 2005 में इसे संयुक्त राष्ट्र जनरल ट्रस्ट फंड के रूप में स्थापित किया गया था। • भारत और अमेरिका 2005 में संयुक्त राष्ट्र लोकतंत्र कोष के प्रमुख प्रेरक थे, जब वे असैन्य परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत कर रहे थे। • भारत यूएनडीईएफ का एक संस्थापक भागीदार है जिसकी स्थापना के बाद से इसने फंड में 32 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का योगदान दिया है। वर्तमान में, संयुक्त राज्य अमेरिका (प्रथम) के बाद स्वीडन (द्वितीय) क्रमशः योगदानकर्ता चार्ट में शीर्ष पर है और भारत तीसरे स्थान पर है। • यूएनडीईएफ उन परियोजनाओं का समर्थन करता है जो नागरिक समाज की आवाज को मजबूत करती हैं, मानवाधिकारों को बढ़ावा देती हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सभी समूहों की भागीदारी को प्रोत्साहित करती हैं। • यूएनडीईएफ का अधिकांश धन स्थानीय नागरिक समाज संगठनों को जाता है। • UNDEF पूरी तरह से दुनिया भर की सरकारों के स्वैच्छिक योगदान पर काम करता है। • यूएनडीईएफ निम्न विषयगत क्षेत्रों के आधार पर परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जिसमें शामिल हैं- ○ कानून का शासन और मानवाधिकार। ○ महिला सशक्तिकरण। ○ युवा जुड़ाव। ○ सरकार के साथ नागरिक समाज की बातचीत को मजबूत करना। ○ मीडिया और सूचना की स्वतंत्रता, और चुनावी प्रक्रियाएं।
आत्मघाती ड्रोन	**सन्दर्भ:** • एक ईरानी अधिकारी के अनुसार ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स

(IRGC) ने लंबी दूरी के, उच्च परिशुद्धता वाले कामिकेज़ ड्रोन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

मुख्य विशेषताएं:

- मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) को "मेराज-532" नाम दिया गया है जिसकी रेंज 450 किलोमीटर है। यह कथित तौर पर सीधे 3 घंटे के लिए 12,000 फीट की अधिकतम ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम है।
- जब लक्ष्य को भेदने की बात आती है तो ड्रोन की सटीक सटीकता होती है।
- यह आत्मघाती ड्रोन एक पिस्टन इंजन से लैस है जो एक वाहन से उड़ान भर सकता है।
- यूएवी में 50 किलो का आयुध है और इसे आसानी से जोड़ा जा सकता है और उड़ान के लिए तैयार किया जा सकता है, जिससे यह तीव्र प्रतिक्रिया संचालन के लिए उपयुक्त हो जाता है।

ओजोन-क्षयकारी रसायन (Ozone-Depleting Chemicals)

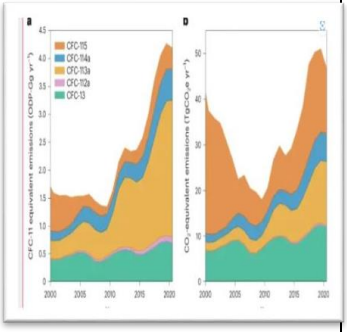

सन्दर्भ:

- नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित एक नए अध्ययन में पाया गया है कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के तहत अधिकांश उपयोगों के लिए प्रतिबंधित होने के बावजूद क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) सहित कई ओजोन-क्षयकारी रसायनों का उत्सर्जन बढ़ रहा है।

मुख्य विशेषताएं:

- उत्सर्जन में वृद्धि के लिए नियमों में कमियों को जिम्मेदार ठहराया गया है जो अन्य ओजोन-अनुकूल विकल्पों के निर्माण के लिए सीएफसी के उपयोग की अनुमति देता है।
- हालांकि उत्सर्जन वर्तमान में ओजोन रिकवरी के लिए महत्वपूर्ण खतरा उअत्पन्न नहीं करता है, वे शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें हैं जो जलवायु को प्रभावित करती हैं।
- शोधकर्ताओं का सुझाव है कि हाइड्रोफ्लोरोकार्बन उत्पादन से जुड़े रिसाव को कम करके और किसी भी सह-निर्मित सीएफसी को ठीक से नष्ट करके इन उत्सर्जन को कम किया जा सकता है।
- अध्ययन में यह भी कहा गया है कि यदि इन पांच सीएफसी के उत्सर्जन में वृद्धि जारी रहती है, तो उनका प्रभाव मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल से होने वाले लाभ को खत्म कर सकता है।
- **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल:** मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल 1987 में हस्ताक्षरित एक अंतरराष्ट्रीय

संधि है, जो पृथ्वी की ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों, जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) के उत्पादन और खपत को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए की गई थी।

सायरन स्पैग्निकोला

सन्दर्भ:

- हाल ही में सायरन स्पैग्निकोला जलीय समन्दर की खोजी गई प्रजाति है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी खाड़ी तटीय मैदान में रिसाव क्षेत्रों में पाई जाती है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह सिरेनिडे परिवार से संबंधित है और सायरन जीनस में सबसे छोटी ज्ञात प्रजाति है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 20 सेमी है।
- सायरन स्पैग्निकोला में बाहरी गलफड़े होते हैं जिनमें तीन तंतुमय गिल डंठल, तीन संबंधित गिल स्लिट और अग्रपादों पर चार पैर की उंगलियां होती हैं।
- यह सैलामैंडर के भीतर श्रोणि मेखला और संबद्ध हिंदअंगों की कमी के कारण अद्वितीय है।
- ये प्रजातियां निचले खाड़ी तटीय मैदान में रेतीली, रिसाव-पोषित खाड़ियों के वातावरण तक तथा लुइसियाना के फ्लोरिडा पैरिश से पूर्व की ओर पश्चिमी फ्लोरिडा पैनहैंडल में चॉक्टावात्ची बे की पश्चिमी सहायक नदी खाड़ी तक सीमित हैं।
- इनके अधिकांश नमूने फ्लोरिडा और अलबामा के ब्लैकवाटर, येलो, और एस्काम्बिया/कोनकुह नदी जल निकासी में पाए गए हैं।

गुरु तेग बहादुर

सन्दर्भ:

- हाल ही में सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश पर्व 11 अप्रैल को मनाया गया।

गुरु तेग बहादुर के बारे में:

- इनका जन्म अमृतसर में 21 अप्रैल, 1621 को हुआ था।
- वह सिख धर्म के 10 गुरुओं में से नौवें गुरु थे, गुरु के रूप में उनका कार्यकाल 1665 से 1675 तक रहा। उस समय मुगल शासक औरंगजेब था।
- उन्हें अक्सर सिखों द्वारा 'मानवता का रक्षक' (सृष्ट-दी-चादर) माना जाता है।
- गुरु तेग बहादुर बचपन से ही युद्ध कला, तलवारबाजी और घुड़सवारी में प्रशिक्षित थे।

	• कई लड़ाइयों में अपने पिता के साथ एक सक्षम सैनिक होने के बावजूद, उन्होंने त्याग और ध्यान का जीवन चुना। • उन्होंने नानक की शिक्षाओं का प्रसार करने के लिए व्यापक यात्राएं कीं। • इनके एक सौ पंद्रह भजन गुरु ग्रंथ साहिब में हैं। • उन्होंने पंजाब में चक-नानकी शहर की स्थापना की, जो बाद में पंजाब के आनंदपुर साहिब का हिस्सा बन गया। • उन्होंने गैर-मुस्लिमों के जबरन इस्लाम में धर्मांतरण का विरोध किया। • वर्ष 1675 में, मुगल सम्राट औरंगजेब के आदेश के तहत गुरु तेग बहादुर को दिल्ली में फाँसी दे दी गई थी। • दिल्ली में गुरुद्वारा सीस गंज साहिब और गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब उनके शरीर के निष्पादन और दाह संस्कार के स्थानों को चिह्नित करते हैं। • इनसे प्रेरित होकर, गुरु गोबिंद सिंह जी ने अंततः एक अलग, औपचारिक, प्रतीक-प्रतिरूप समाज में सिख समूह का गठन किया जो खालसा (मार्शल) के रूप में जाना जाने लगा।
कोप इंडिया 23 	**सन्दर्भ:** • हाल ही में भारतीय वायु सेना और संयुक्त राज्य अमेरिका वायु सेना के बीच अभ्यास कोप इंडिया 23 शुरू हुआ। **मुख्य विशेषताएं:** • यह 11 दिवसीय अभ्यास पानागढ़, कलाईकुंडा और आगरा वायु सेना स्टेशनों पर आयोजित किया जा गया। • इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों वायु सेनाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ाना और उनकी सर्वोत्तम क्षमताओ को साझा करना है। • इस अभ्यास में C-130J, C-17, MC-130J विमान भाग ले रहे हैं। • इस अभ्यास में जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स एयरक्रू की उपस्थिति भी शामिल है, जो पर्यवेक्षकों की क्षमता में भाग लेंगे।
जनहित प्रतिरक्षा दावा (Public Interest Immunity Claim)	**सन्दर्भ:** • हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने मलयालम समाचार चैनल MediaOne पर प्रसारण प्रतिबंध लगाने के केंद्र के आदेश को रद्द कर दिया। **मुख्य विशेषताएं:** • शीर्ष अदालत ने केरल उच्च न्यायालय के 2 मार्च, 2022 के उस फैसले को रद्द कर

दिया जिसमें I&B मंत्रालय के आदेश को बरकरार रखा गया था।

- उच्च न्यायालय ने अपना निर्णय लेने में केवल गृह मंत्रालय द्वारा 'सीलबंद लिफाफे' में प्रकट की गई सामग्री पर भरोसा किया था।
- सर्वोच्च न्यायालय (जिसने बार-बार तथाकथित "सीलबंद कवर न्यायशास्त्र" के प्रति नाखुशी व्यक्त की है) ने "सार्वजनिक हित प्रतिरक्षा दावा" के लिए एक प्रक्रिया भी तैयार की है, जो राज्य के रहस्यों से जुड़े दावों को तय करने के लिए सीलबंद कवर के कम प्रतिबंधात्मक विकल्प के रूप में है।

जनहित प्रतिरक्षा दावा:

- यह उन स्थितियों को संदर्भित करता है जहां कानूनी मामले में कुछ जानकारी का खुलासा राष्ट्रीय सुरक्षा या अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है।
- ऐसे मामलों में, सरकार या अन्य पक्ष ऐसी जानकारी को रोकने या संपादित करने की मांग कर सकते हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े दावों की वैधता निम्नलिखित के परीक्षण पर आधारित होनी चाहिए:
  - क्या इस सामग्री के निष्कर्ष से सूचना का प्रकटीकरण राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में है
  - क्या एक उचित विवेकपूर्ण व्यक्ति रिकॉर्ड पर सामग्री से समान निष्कर्ष निकालेगा"।
  - भले ही गैर-प्रकटीकरण राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हो, सरकार द्वारा अपनाए गए साधनों को कार्रवाई की आनुपातिकता को पूरा करना चाहिए।

कैंडिडा ऑरिस

सन्दर्भ:

- हाल ही में कैंडिडा ऑरिस पहचाना गया एकल-कोशिका कवक है जो मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है, जो अमेरिकी अस्पतालों में फैल रहा है।

मुख्य विशेषताएं:

- एथलीट फुट, कैंडिडा ऑरिस और अन्य संबंधित कवक जैसे सतही कवक संक्रमणों के विपरीत किसी व्यक्ति के शरीर के भीतर संक्रमण पैदा कर सकते हैं जो बहुत अधिक खतरनाक हैं।
- कैंडिडा ऑरिस एक प्रकार का यीस्ट है जो मौजूदा एंटिफंगल दवाओं के लिए प्रतिरोधी है, जिससे इसका इलाज करना मुश्किल हो जाता है।

	• खतरनाक कैंडिडा संक्रमणों के लिए दो लोगों के समूहों को सबसे अधिक खतरा है: ○ गहन देखभाल इकाइयों में रोगी जिनके पास केंद्रीय अंतःशिरा कैथेटर भी है और व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक्स प्राप्त कर रहे हैं, ○ कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले रोगी, जैसे कि कीमोथेरेपी पर कैंसर रोगी या मानव इम्यूनोडिफीसिअन्सी वायरस वाले रोगी। • यदि किसी व्यक्ति की त्वचा पर कैंडिडा कोशिकाएं अंतःशिरा रेखा को दूषित करती हैं, तो कवक रोगी के रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकता है जो अक्सर घातक रक्तप्रवाह संक्रमण का कारण बन सकता है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare